क्रम संख्या 532

स्थापित : 1950–51

फोन : 09410643191

लगसमा इण्टर कॉलिज

गौण्डा (अलीगढ़)

विवरण पत्रिका

गायत्री मंत्र

ओउ्म भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं ।

भर्गो देवस्य धीमहि धियोः यो नः प्रचोदयात्।।

विद्यालय की प्रार्थना

वह शक्ति हमें दो, दया निध कर्त्तव्य मार्ग पर डट जावें।

पर सेवा पर उपकार में हम निज जीवन सफल बना जावें।

वह शक्ति ....

हम दीन दुखी निबलो, बिकलो के सेवक बन संताप हरे।

जो है अटके, भूले, भटके, उनको तारे खुद तर जाये।।

वह शक्ति ....

छल, दम्भ, द्वेष, पाखण्ड, झूठ, अन्याय से निशदिन दूर रहे।

जीवन हो शुद्ध, सरल अपना, सुचि प्रेम सुधा रस बरसावें।

वह शक्ति ....

निज आन मान मर्यादा का प्रभु, ध्यान रहे अभिमान रहे।

जिस देश धरा में जन्म लिया, बलिदान उसी पर हो जायें।।

वह शक्ति ....

लगसमा इण्टर कॉलिज

गौण्डा (अलीगढ़)

विद्यालय के संस्थापक

स्व० श्री टीकम सिंह

लगसमा इण्टर कॉलिज

गौण्डा (अलीगढ़)

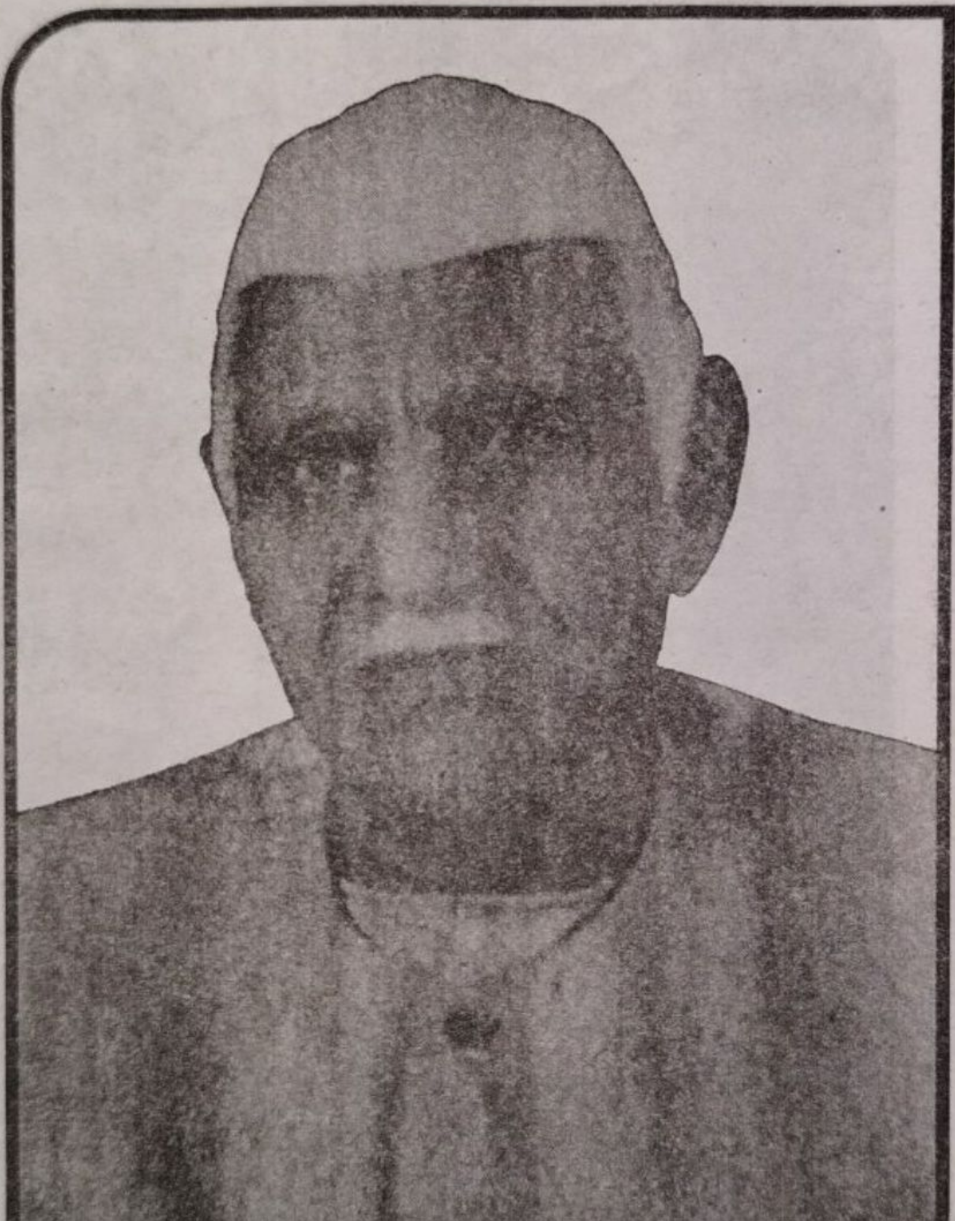

विद्यालय के सक्रिय व्यवस्थापक

स्व० श्री नानक चन्द्र

लगसमा इण्टर कॉलिज

गौण्डा (अलीगढ़)

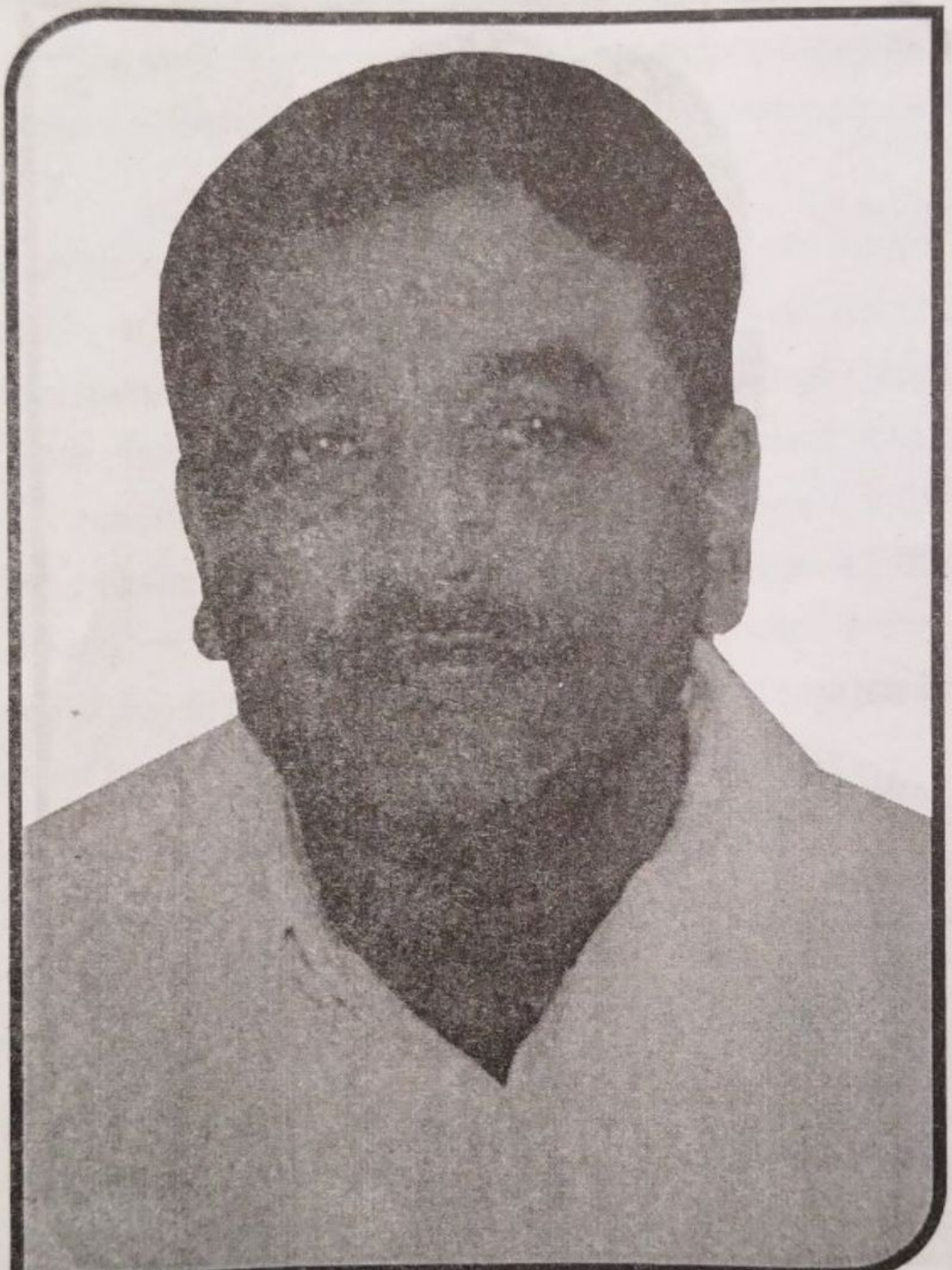

प्रबन्धक

चौ० नरेन्द्र सिंह

लगसमा इण्टर कॉलिज

गौण्डा (अलीगढ़)

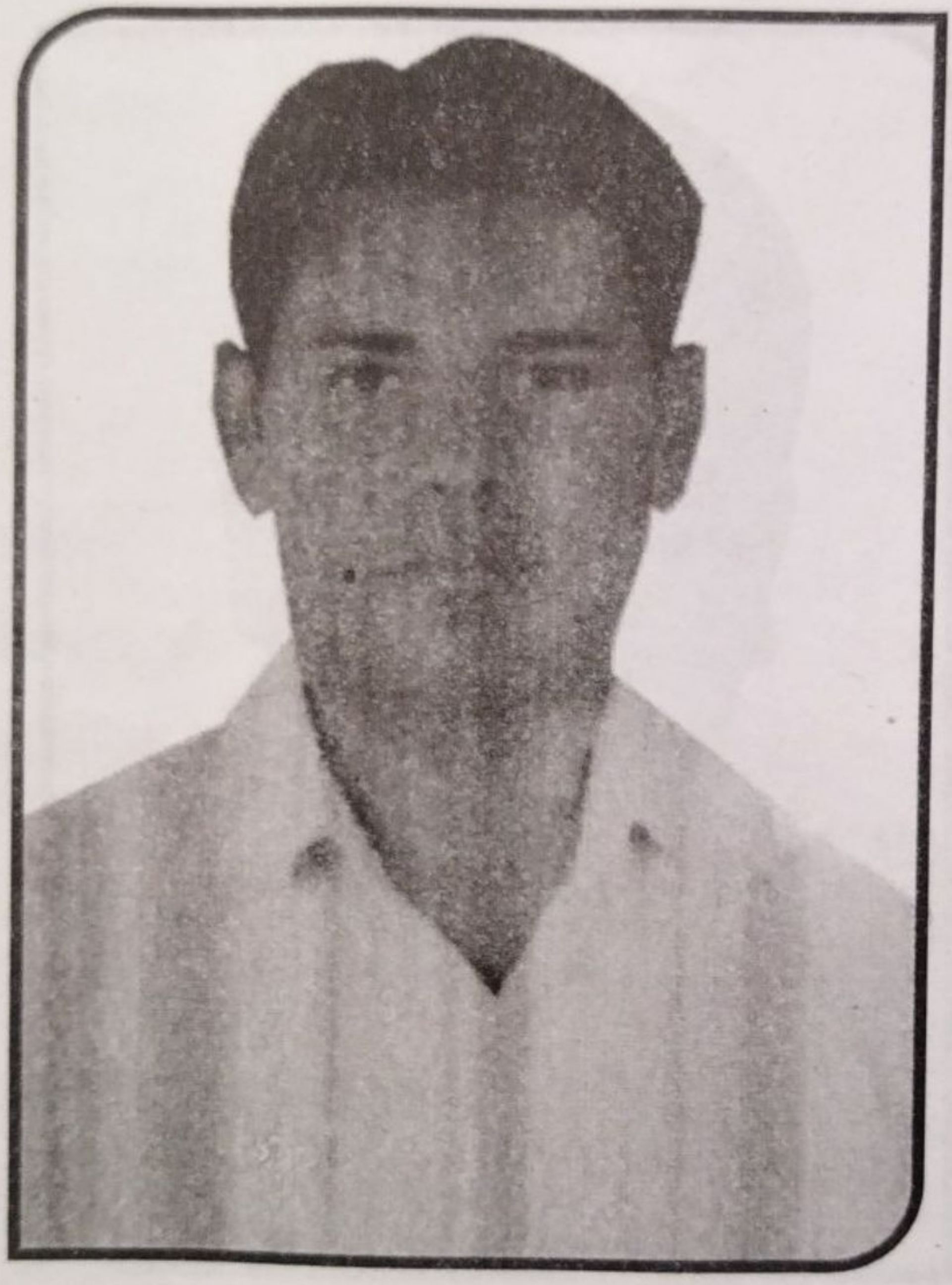

प्रधानाचार्य

श्री मुनीश कुमार

परिचय

लगसमा इण्टर कॉलिज, गौण्डा (अलीगढ़) जनपद की एक विकासोन्मुख संस्था है जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में सदैव प्रयत्नशील रही है।

लगभग 68 वर्ष पूर्व वर्ष 1950-51 में लगसमा सुधारक समिति बरौला (अलीगढ़) के माध्यम से क्षेत्र की शैक्षिक व सामाजिक प्रगति की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस संस्था को स्थापित किया गया जिसमें निम्नलिखित चिन्तनशील विभूतियों ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदानकर क्षेत्रीय जनमानस को लाभान्वित किया है।

सर्व श्री ठा० टीकमसिंह जी (डिगसारी) ठा० लखनसिंह जी (पूर्व विधायक), ठा० ज्वाला प्रसाद (मुड़िया), ठा० वीरनारायन सिंह (बरौला) ठा० माधौसिंह (रजावल) ठा० चरनसिंह 'काका' (नगला पहाड़ी) श्री घूरे सिंह जी, लाला राय प्रसाद जी, ठा० नानकचन्द्र (ल०सु०स० समिति गौण्डा) एवं पूर्व प्रधान गौण्डा, श्री भगवन्त सिंह नेताजी (भैय्या) आदि गणमान्य सज्जनों के निस्वार्थ अथक प्रयासों से यह संस्था उ०मा० विद्यालय के रूप में उदय होकर एक इण्टर कॉलिज के रूप में पुष्पित, पल्लवित हो एक विशाल वट वृक्ष के रूप में क्षेत्रीय समाज की सेवा में लगी हुई है। संस्था का वर्तमान स्वरूप प्रदान करने में विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्यों श्री खुशीराम वार्ष्णेय, श्री रघुवीर सिंह, श्री ओंकार सिंह, श्री रमेशचन्द्र वार्ष्णेय, श्री जयप्रकाश शर्मा, श्री राम लखन पाल, श्री गनेशी लाल बघेल, श्री बनीसिंह ठकुरेला, श्री भजन लाल दिवाकर जी का अमूल्य योगदान रहा है।

विद्यालय ने उत्तम शिक्षा, अनुशासन व बेहतर परीक्षा परिणामों से लोकप्रियता के उच्च स्तम्भ स्थापित किये हैं। विद्यालय में मानविकी, कृषि, विज्ञान वर्ग में शिक्षा प्रदान की जाती है, वर्तमान में प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री सुशील कुमार गोयल एवं युवा कुशल प्रबन्धक चौ० नरेन्द्र सिंह जी के निर्देशन में कालेज अनवरत रूप से नये आयामों में विस्तार कर रहा है।

विद्यालय के युवा, उत्साही प्रधानाचार्य श्री मुनीश कुमार के दिशा निर्देशों में सुयोग्य, सुशिक्षित अध्यापकों द्वारा पूर्ण समर्पण की भावना के साथ शिक्षण कार्य व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के द्वारा टीम भावना से कार्य करते हुये विद्यालय को उच्च मानकों को प्राप्त करने की हर सम्भव कोशिश की जा रही है ताकि विद्यालय सामाजिक व नैतिक मूल्यों के विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर सके।

विद्यालय की वर्तमान प्रबन्ध समिति

1.	श्री सुशील कुमार गोयल	-	अध्यक्ष
2.	चौ० नरेन्द्र सिंह	-	प्रबन्धक/सचिव
3.	श्रीमती राजेश कुमारी	-	उपप्रबन्धक
4.	श्री प्रदीप सिंह	-	कोषाध्यक्ष

विद्यालय के गौरव

विद्यालय के वे छात्र जो विगत वर्षों उच्च पदों पर आसीन हैं/रहें हैं।

1.	चौ० बिजेन्द्र सिंह जी	-	पूर्व सांसद, (अलीगढ) पूर्व विधायक, (इगलास)
2.	डा० मुख्तार सिंह जी	-	पूर्व प्राचार्य (आगरा कालेज, आगरा)
3.	श्री कृष्ण बिहारी जी	-	पूर्वनिदेशक, स्वास्थ्य विभाग, उ.प्र. शासन, लखनऊ
4.	डा० खूबचन्द वार्ष्णेय जी	-	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (पशुपालन)
5.	डा० रामनिवास शर्मा जी	-	एम०बी०बी०एस०, एम०डी० (अमेरिका)
6.	श्री भूदेव प्रसाद शर्मा जी	-	अधिशासी अभियन्ता (कासिमपुर पावर हाऊस)
7.	श्री फतेहसिंह वर्मा जी	-	पूर्व अधिशासी अभियन्ता, (पूर्व प्रबन्धक तलेसरा इ०का० तलेसरा)
8.	श्री सतीश गौतम जी	-	सांसद, अलीगढ।
9.	चौ० वीरेन्द्र सिंह फौजदार जी	-	प्रबन्धक जनता वैदिक इ.का. नगला विरखू
10.	डा. पीताम्बर सिंह जी	-	पशु चिकित्साधिकारी
11.	श्री उमेश वार्ष्णेय	-	वैज्ञानिक
12.	श्री जयप्रकाश वार्ष्णेय	-	मुख्य अभियन्ता
13.	चौ. गुलवीर सिंह	-	पूर्व खण्ड विकास अधिकारी
14.	श्री जितेन्द्र कुमार	-	जिला उद्यान अधिकारी
15.	श्री पवन कुमार शर्मा	-	स० प्रबन्धक (I.T.I. कानपुर)
16.	श्री हिर्देश वार्ष्णेय	-	प्रबन्धक

विद्यालय के अनुशासन सम्बन्धी नियम

छात्रों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है:-

1. प्रत्येक छात्र निर्धारित समय पर विद्यालय में उपस्थित होगा।
2. कोई भी छात्र कक्षा अध्यापक की अनुमति के बिना विद्यालय समय में विद्यालय परिसर नहीं छोड़ेगा।
3. प्रत्येक कक्षा में अनुशासन एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिए दो मॉनीटर होंगे।
4. विद्यालय परिसर में कोई भी छात्र गुरूजनों के सामने साइकिल पर चढ़कर नहींचलेगा।
5. सभी छात्र निर्धारित ड्रेस में ही विद्यालय परिसर में प्रवेश करें।
6. विद्यार्थी परिचय-पत्र सदैव अपने साथ रखें।
7. सभी छात्र प्रार्थना स्थल पर आते जाते समय एक कक्षा से दूसरी कक्षा में पंक्तिबद्ध होकर जायेंगे।
8. विद्यालय परिसर में अनावश्यक घूमने की अवस्था में अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
9. विद्यालय की दीवारों को गंदी न करें, गंदी करने वालों को विद्यालय से निष्काषित कर दिया जायेगा।
10. फर्नीचर रखरखाव का उत्तरदायित्व कक्षा के छात्रों का है, जिस कक्षा में फर्नीचर का नुकसान होगा, उसी कक्षा के छात्रों से फर्नीचर की मरम्मत हेतु दण्ड वसूला जायेगा।
11. देर से आने वाले छात्रों को किसी भी स्थिति में विद्यालय में प्रवेश अनुमन्य नहीं होगा।
12. विद्यालय परिसर में किसी भी छात्र को मोबाइल लाना वर्जित है। अगर कोई छात्र मोबाइल के साथ पाया जाता है तो उसका मोबाइल जब्त कर लिया जायेगा।
13. कार्यालय कार्य हेतु अपना एस.आर. नं० (छात्र पंजी० संख्या) अवश्य लायें।
14. अभिभावक अपने पाल्य के सम्बन्ध में विद्यालय के प्रधानाचार्य, कक्षाध्यापक तथा विषय अध्यापकों से समय-समय पर सम्पर्क करते रहें।
15. अभिभावक अपने पाल्य को विद्यालय भेजने से पूर्व उसकी शरीरिक स्वच्छता, ड्रैस एवं पुस्तकों आदि की जाँच कर लें।
16. अभिभावक अपने पाल्य को समय से विद्यालय भेजें देर से पहुँचने वाले छात्र को वापस भेज दिया जायेगा।

विद्यालय का परिधान (ड्रैस)

सोमवार, मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार, शनिवार हेतु

छात्रों के लिए - सफेद कमीज व महरून रंग की पेन्ट

काले जूते, सफेद जुर्राब, जाड़ों में महरून रंग का स्वेटर

छात्राओं के लिये - महरून रंग का कुर्ता एवं सफेद सलवार, काले जूते, सफेद जुर्राव, जाड़ों में सफेद रंग का स्वेटर

गुरूवार हेतु

छात्र एवं छात्राओं के लिए - हाउस हेतु निधारित परिधान।

विद्यालय का समय

गर्मियों में - प्रातः 7:30 बजे से 12:30 बजे तक

सर्दीयों में - प्रातः 8:50 बजे से 2:50 बजे तक

विद्यालय में प्रवेश सम्बन्धी नियम

1. विद्यालय में प्रवेश योग्यता के आधार पर होगा।
2. कक्षा 11 विज्ञान वर्ग में प्रवेश योग्यता सूची के आधार पर होगा।
3. कक्षा 10 एवं कक्षा 12 में बाहरी विद्यालयों के छात्रों को केवल 10 छात्रों को ही प्रवेश दिया जायेगा, जो पहले आओं पहले पाओं पर आधारित होगा।
4. clgjhNk=ksa ksiøškd d e; iøškQ le%LFkkukUrj.k iek.k i= ¼T.C.), अंकपत्र अनिवार्य रूप से जमा करने होंगे।
5. छात्र अपने पूर्व विद्यालय से प्राप्त स्थानान्तरण प्रमाण पत्र (T.C.) के आधार पर ही प्रवेश आवेदन पत्र पर नाम, पिता का नाम, माता का नाम एवं जन्मतिथि लिखें।
6. यदि किसी छात्र के नाम कट जाने के एक सप्ताह के अन्दर यदि प्रधानाचार्य छात्र के आचरण से सन्तुष्ट हो जांय तथा सम्बन्धित अभिभावक स्वयं उपस्थित होकर नाम कटने का कोई ठोस कारण दें तो छात्र का पुनः प्रवेश लिया जा सकता है।
7. कक्षा 10 तथा कक्षा 11 कृषि, कक्षा 12 के छात्रों का पुनः प्रवेश दिसम्बर माह के पश्चात किसी भी दशा में सम्भव नहीं हो सकेगा।
8. कक्षा 6, 7, 8, 9 तथा 11 के छात्रों का पुनः प्रवेश जनवरी माह के पश्चात किसी भी दशा में सम्भव नहीं हो सकेगा।

विद्यालय में मान्यता प्राप्त विषय

हाईस्कूल - (1) मानविकी वर्ग, (2) कृषि वर्ग

(3) विज्ञान वर्ग, (4) वाणिज्य वर्ग।

इण्टरमीडिएट - (1) मानविकी वर्ग - हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, नागरिक शास्त्र, इतिहास।

भूगोल, अर्थशास्त्र, सैन्यविज्ञान, चित्रकला आलेखन, चित्रकला प्रावैधिक

(2) विज्ञान वर्ग- हिन्दी, अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान

गणित, जीव विज्ञान

(3) कृषि वर्ग - कृषि भाग-1 : सभी अनिवार्य विषय

कृषि भाग-2 : सभी अनिवार्य विषय

प्रवेश हेतु कक्षाओं में सीटों का ब्यौरा

कक्षा - 6	:	120 स्थान
कक्षा - 7	:	120 स्थान
कक्षा - 8	:	120 स्थान
कक्षा - 9	:	300 स्थान
कक्षा - 10	:	300 स्थान
कक्षा - 11 विज्ञान	:	90 स्थान
कक्षा - 11 कला	:	90 स्थान
कक्षा - 11 कृषि	:	90 स्थान
कक्षा - 12 विज्ञान	:	90 स्थान
कक्षा - 12 कला	:	90 स्थान
कक्षा - 12 कृषि	:	90 स्थान

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब, सिन्धु, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल, बंग।
विन्ध्य, हिमांचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधि तरंग।
तब शुभ नामे जागे,
तब शुभ आशीष मांगे।
गाहे तब जय गाथा,
जन-गण मंगलदायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता,
जय हे, जय हे, जय हे,
जय, जय, जय, जय हे।

प्रबन्धक :
चौ० नरेन्द्र सिंह
लगसमा इण्टर कॉलिज
गौण्डा (अलीगढ़)
मो. 9412273774

प्रकाशक :
चौ. मुनीश कुमार सिंह
प्रधानाचार्य
लगसमा इण्टर कॉलिज
गौण्डा (अलीगढ़)
मो. 9410643191

"बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध, कुसंस्कार जैसी हजारों समस्यायें है देश में और इनका समाधान सिर्फ एक ही है। – बेहतर शिक्षा"